मार्च 2020

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
पशु पालन	4 3 0	हिन्दी

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

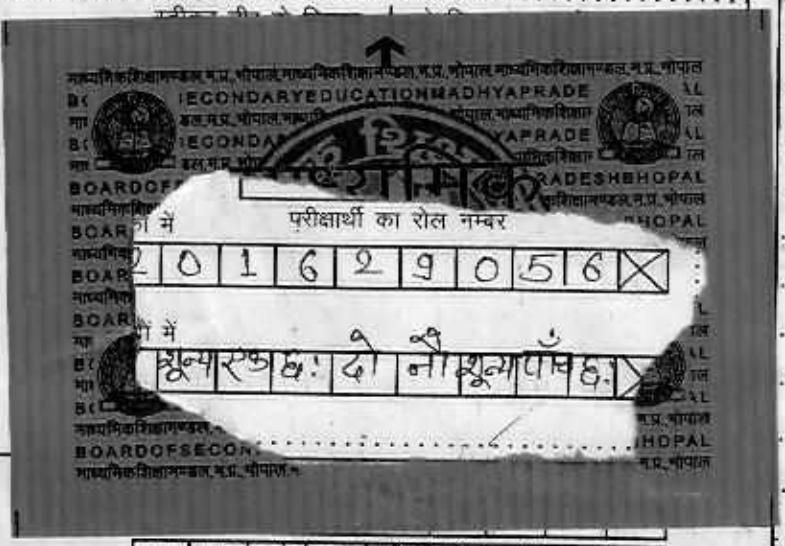

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, म.प्र. भोपाल BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

हाई स्कूल / हायर सेकेण्डरी

अंकों में — परीक्षार्थी का रोल नम्बर

2	0	1	6	2	9	0	5	6	☒

शब्दों में

शून्य एक	छः	दो	नौ	शून्य पाँच	छः	☒

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

क :— पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में ☒ शब्दों में ☒

ख :— परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 07

ग :— परीक्षा का दिनांक 12 06 2020

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

केन्द्र क्रमांक 161022

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर
हायर सेकेन्ड्री परीक्षा	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मु

नोट :- "हायर सेकेण्डरी परीक्षा में केवल व
प्रायोगिक विषय को छोड़कर शेष विषयों हेतु नियमित एवं स्वाध्यायी छात्रों के लिये प्रश्न पत्र **100** अंकों का होगा किन्तु नियमित छात्रों को **100** अंक के प्राप्तांक का **80%** अधिभार एवं स्वाध्यायी छात्रों को **100** अंक के प्राप्तांक ही अंकसूची में प्रदर्शित किये जायेंगे।"

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक		
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			
कुल प्राप्तांक			

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

BSE

उत्तर क्रमांक - 1

(i) (a) जीवाणु

(ii) (c) 1 से 2 दिन ।

(iii) (b) थनैला रोग में ।

(iv) (a) जमुनापारि ।

(v) (c) बकरी से ।

उत्तर क्रमांक - 2

(i) 150

(ii) पाकिस्तान का मुल्तान ।

(iii) भेड़ ।

(iv) करनाल (हरियाणा)

(v) 99.3% ।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर - क्रमांक - 3.

(i) ~~अ~~ सत्य ।

(ii) असत्य ।

(iii) असत्य ।

(iv) सत्य ।

(v) असत्य ।

उत्तर क्रमांक - 4.

	स्तम्भ 'I'		स्तम्भ 'II'
(i)	फाउल पॉक्स रोग	-	(f) विषाणु
(ii)	पुलोरम रोग	-	(d) जीवाणु
(iii)	सुखा रोग	-	(b) पोषक हीनता
(iv)	विटामिन डी की कमी	-	~~(b) पोषक हीनता~~ (c) पि... पुण
(v)	गहरी बिछ...	-	(a) मुर्गी गृह

B
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 5.

मछली पालन की दो समस्याएँ निम्नलिखित होती हैं।

1.) मछली पालन में डीप वाटर फिशिंग तकनीक का अभाव।

2.) सैनिटर व फाइटोसैनिटरी पैमाने पर खड़ा न उतरना।

3.) कुशल श्रमिकों का अभाव भी मत्स्यपालन की प्रमुख समस्या है।

BSE

उत्तर क्रमांक - 6.

शूकर के जीवाणु जनित दो रोग निम्न हैं -

1.) एन्थ्रेक्स या गिल्टी।

2.) लेप्टोस्पाईरोसिस।

3.) टीनियासिस।

उत्तर क्रमांक - 7.

विदेशी नस्ल की दो बकरियों के नाम निम्नानुसार हैं -

) अल्फाइन

) टोगन

(3.) सानेन

(4.) एंग्लोनूबियन

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 8.

वसा में घुलनशील विटामिन्स निम्नलिखित होते हैं :-

1. विटामिन - A
2. विटामिन - D
3. विटामिन - E
4. विटामिन - K

उत्तर क्रमांक - 9. (अथवा)

विटामिन्स के तीन कार्य :-

(1.) विटामिन्स शरीर को आर्थिक रूप से ऊर्जा प्रदान करते हैं।

(2.) विटामिन्स पशुओं की हड्डियों को और दाँतो को मजबूत बनाते हैं।

(3.) विटामिन्स पशु शरीर में वृद्धि-विकास तथा उत्पाद में सहायता करते हैं।

उत्तर क्रमांक - 10.

स्कोर कार्ड :-

स्कोर कार्ड पशुओं के चुनाव करने की नवीन विधि है इसमें पशुओं की सम्पूर्ण जानकारी का ब्यौरा भरा रहता है। इसमें कुल 100 अंक होते हैं जिन्हे स्वस्थ्य एवं बीमार पशुओं के अंगो के

योग/पूव ...
SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

अंगो के हिसाब से अलग-अलग भागों में विभाजित कर दिया जाता है।

इसके दो उपयोग :-

1.) स्कोर कार्ड के द्वारा पशुओं की स्वास्थ्य की सम्पूर्ण जानकारी लिखित रूप में प्राप्त हो जाती है।

(2.) स्कोर कार्ड के द्वारा पशुओं की वास्तविक उम्र का पता चल जाता है।

(3.) स्कोर कार्ड के द्वारा पशुओं की उत्पादन क्षमता जैसे दुग्ध उत्पादन एवं मांस उत्पादन आदि का पता लग जाता है।

उत्तर क्रमांक - 11.

पशु चिकित्सा में उपयोग आने वाले चार यंत्र एवं उनका उपयोग निम्नलिखित होता है -

1. धमनी चिमटी :- यह स्टील की बनी एक दांतेदार चिमटी होती है जिसका उपयोग ऑपरेशन के समय धमनी को काटते हैं जिससे रक्त संचरण बंद हो जाता है।

D
S
E

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

2 (2.) प्रोब :-

यह धातु का बना 15 cm. लम्बा यंत्र होता है जिसका उपयोग घाव की गहराई मापने तथा वहाँ तक दवा पहुँचाने में करते हैं।

(3.) स्केपुला / स्पेचुला :-

यह साधारणत: चाकू या छुरी की रचना वाला यंत्र होता है इसका उपयोग दवाओं की मलहम बनाने में करते हैं।

(4.) कैथेटर :-

यह रबर या प्लास्टिक की बनी एक लम्बी नली होती है जिसका उपयोग पशुओं की बंद पेशाब को खोलने में करते हैं।

उत्तर क्रमांक - 12.

बीमार पशु के चार लक्षण निम्नानुसार हैं—

(1.) बीमार पशु उदास एवं सुस्त नजर आते हैं।

(2.) बीमार पशु की नाड़ी की गति असामान्य हो जाती है।

(3.) बीमार पशु खाना खाना कम तथा जुगाली करना बंद कर देता है।

प्रश्न क्र.

(5.) बीमार पशु के ~~मलमूत्र~~ मूत्र तथा गोबर से दुर्गन्ध आने लगती है।

बीमार पशु के कान सुस्त होकर लटक जाते हैं।

उत्तर क्रमांक - 13.

B S E

मक्खन बनाने की देशी विधि के चार दोष निम्नलिखित होते हैं –

1. देशी विधि से मक्खन बनाने पर मक्खन में पानी की मात्रा अधिक रह जाती है।

2. मक्खन में कर्ड की मात्रा अधिक रह जाती है।

3. मक्खन को अधिक समय तक सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है। जिससे उसकी खाद्य महत्ता घट जाती है।

4. मक्खन में धुँऐ की गन्ध उत्पन्न हो जाती है।

5. इस विधि से मक्खन बनाने विटामिन B_2 तथा C नष्ट हो जाते हैं।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 14. (अथवा)

आइसक्रीम :-

आइसक्रीम वह हिमीकृत दुग्ध पदार्थ होता है, जिसे दुग्ध, दुग्ध पदार्थ तथा चीनी के मिश्रण से तैयार किया जाता है। इसमें वसा, वसा रहित ठोस पदार्थ, रंग, क्रीम आदि भी मिलाए जाते हैं।

आइसक्रीम का ओवर-रन :-

आइसक्रीम के ओवर-रन से तात्पर्य आइसक्रीम में मिलाई गई हवा के आयतन से है—

सूत्र = ~~आइसक्रीम में हवा का आयतन - मिश्रण में हवा~~ ~~आ~~

सूत्र = आइसक्रीम में हवा का आयतन - मिश्रण में हवा का आ
मिश्रण

सूत्र = आइसक्रीम में हवा का आयतन - मिश्रण में हवा का आयतन
मिश्रण में हवा का आयतन

B S E

प्रश्न क्र.

उत्तर क्रमांक - 15.

दुग्ध-चूर्ण के चार उपयोग निम्नलिखित हैं—

1. इसका उपयोग बिस्केट तथा मिठाईयाँ बनाने में किया जाता है।

2. शिशु आहार बनाने में दुग्ध-चूर्ण का उपयोग का उपयोग किया जाता है।

आइसक्रीम पाउडर बनाने में इसका उपयोग करते हैं।

4. चाय तथा कॉफी बनाने में।

5. अधिक समय तक संरक्षित करने में भी इसका उपयोग करते हैं।

उत्तर क्रमांक - 16.

मुर्गीपालन के पाँच लाभ निम्नानुसार हैं—

1. मुर्गीपालन करने से राष्ट्रीय आय में वृद्धि होती है।

कुल अंक

प्रश्न क्र.

2. मुर्गियों से प्राप्त बीट से जो खाद बनाई जाती है उसमें नाइट्रोजन, फास्फोरस तथा पोटाश की प्रचुर मात्रा पाई जाती है।

3. मुर्गियों के अण्डों से प्राप्त प्रोटीन दालों की प्रोटीन से सस्ती होती है।

4. ग्रामीण क्षेत्रों में मुर्गीपालन किसानो के द्वारा कुटिर धन्धे के रूप में किया जाता है।

मुर्गियों की देशी - विदेशी तथा संकर नस्ल से अधिक मात्रा में माँस की प्राप्ति हो जाती है।

6. मुर्गीपालन में तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता नहीं होती है तथा इनका भोजन भी सस्ता प्राप्त हो जाता है।

उत्तर क्रमांक - 17.

मुर्गियों के आहार में विटामिन A, B, C, D तथा E के एक - एक कार्य निम्नलिखित होते हैं —

विटामिन A :-

यह विटामिन नेत्र दोष तथा शारीरिक वृद्धि करने का कार्य करता है।

विटामिन B :-

यह विटामिन बैरी-बैरी रोग को

ठीक करता है तथा पशुओं की भूख में वृद्धि करता है।

विटामिन C:- यह विटामिन पशुओं के चर्म रोगों को दूर करने का कार्य करता है।

विटामिन D :- यह विटामिन पोषकहीनता रोग को दूर करता है तथा हड्डीयो और दांतो को मजबूत बनाने का कार्य भी करता है।

विटामिन E :- यह विटामिन जननअंगो को क्रियाशील बनाने का कार्य करता है।

उत्तर क्रमांक - 18. (अथवा)

रोग कारक :- इस रोग का रोगकारक एक विषाणु होता है जिसे "माइक्रोप्लाज्मा गैलिसेप्टिकम तथा साइनोवियै" कहते है। यह बीमारी श्वसन क्रिया से संबंधित होती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

लक्षण :-

(1.) इस रोग में मुर्गियों के द्वारा श्वसन क्रिया करने पर गुड़गुड़ाहट की आवाज आती है।

(2.) इस रोग में बार-बार खाँसी आती है।

(3.) मुर्गियों द्वारा श्वसन करने पर उनका दम भरने लगता है।

(4.) मुर्गियाँ दाना खाना कम कर देती हैं।

(5.) मुर्गियों का शरीर कमजोर होने से अण्डा उत्पादन घट जाता है।

उपचार :-

(1.) इस रोग के उपचार के लिए टेरामाइसीन दवा का उपयोग करना है।

(2.) मुर्गियों को संतुलित आहार देना चाहिए।

(3.) मुर्गीशाला की रोजाना कीटाणुनाशी दवा से सफाई करनी चाहिए।

(4.) मुर्गियों में टीकाकरण करवाना चाहिए तथा उन्हे उच्च स्तरीय फार्मों से खरीदना चाहिए।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 14 के अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

(5.) मुर्गीशाला को शुष्क रखना चाहिए तथा उन्हें शुद्ध एवं ताजा जल पिलाना चाहिए।

BSE